Ques - Describe the different types of Leadership
नेतृत्व के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें?

Ans - नेतृत्व के प्रकार को निम्नलिखित ढंग से प्रभावित किया जाता है।

(1) दैविक नेता (Charismatic leader) - इस प्रकार के नेता वैसे नेता होते हैं जो दैविक शक्ति प्राप्त होते हैं। विशिष्ट शक्ति के कारण इनमें अद्भुत कार्य करने की क्षमता होती है। समाज में अनैतिकता का बोलबाला होता है। बहुधा इस प्रकार का नेता अपने को दैवी शक्ति का अवतार मानता है।

2 नौकरशाही नेता - (The bureaucratic leader) - यह नेता बड़े व्यवहारकुशल और चतुर होते हैं। इसमें एक अफसर अपने नीचे वाले अफसर पर अपना प्रभुत्व जमाता है। इस प्रकार के नेता सरकारी और प्राइवेट संगठनों में ही मिलते हैं।

3 सत्तावादी नेता (Authoritarian leader) - सत्तावादी नेता को ही निरंकुश नेता कहा जाता है वह अपनी इच्छा से अपना कार्य करता है। निरंकुश नेता अपने समूह की नीतियों का निर्धारण स्वयं करता है। निरंकुश नेता जनता के हित के जगह पर शासन करना अच्छा समझता है।

(4) प्रजातांत्रिक नेता (Democratic leadership) - इस प्रकार के नेतृत्व वह होता है जो जनता की इच्छा और हितों को सर्वोपरि मानकर नेतृत्व किया जाता है। अतः ऐसा नेता समूह के तनावों को दूर करता है। इस प्रकार के नेता में सम्पूर्ण शक्ति जनता नेता को देती है। लेकिन अन्तिम सत्ता जनता में ही निहित होती है।

Scanned with CamScanner

No. Date 5.5.20

Aim : Situational theory of Leadership

समूह का कौन सदस्य नेता होगा, इसका निर्धारण व्यक्ति के शीलगुणों से नहीं, समूह की परिस्थितियों से होता है। नेता (बलवान नहीं एवं) जन्मजात नहीं निर्मित होता है व्यक्ति बलवान नहीं समय बलवान होता है अनुकूल एवं परिस्थिति ने महात्मा गाँधी, इन्दिरा गाँधी तथा राजीव गाँधी अपू देवगौड़ा को नेता बनने में मदद की। नेतृत्व का उद्भव परिस्थिति से सम्बन्धित कारकों का प्रभाव पड़ता है

1) समूह का आकार → (Size of the Group)
समूह का आकार बढ़ने पर कई सदस्यों को नेता बनने का अवसर मिलता है इतना ही नहीं बल्कि समूह के आकार से नेतृत्व के प्रकार का भी निर्धारण होता है।

2) समूह का निर्माण (Creation of the Group)
नये समूह का निर्माण किया जाता है तो नेतृत्व के उभरने की सम्भावना बनती है। जब 1977 में जनता पार्टी का निर्माण हुआ तो श्री मोरारजी देसाई को तथा वी.पी. सिंह को नेता बनने का अवसर मिला।

3) समूह संकट (Group crises) →
आर्थिक संकट की अवस्था में सत्ताधारी नेता के उभरने की सम्भावना अधिक होती है। बाहरी आक्रमण जब पैदा होता है तब संकट की घड़ी खड़ी हो जाती है।

Serial No. 3 Date 5.5.20

4. वर्तमान नेता की असफलता (Failure of the present leader)

→ जब नेता अपने दायित्व को निभाने में असफल रहता है तो उसके जगह पर नये नेता उभरने की संभावना अधिक बढ़ जाती है।

(5) समूह की आवश्यकताएँ (Need of the group)

Situational theory में विशेष रूप से यह देखा गया कि किसी समूह का नेता कैसा होना चाहिए। भारत के विभाजन के बाद जवाहरलाल नेहरू ही नेता बने यह परिस्थिति सिद्धान्त के कारण ही बने।

इस प्रकार स्पष्ट है कि नेतृत्व के आविर्भाव पर कई प्रकार के परिस्थिति कारकों का प्रभाव पड़ता है। इस अर्थ में शीलगुण तथा परिस्थिति - सिद्धान्त एक दूसरे के पूरक हैं।